

20/6/22

आज यह हमारी पहली बार की
वर्षी अर्चना ! माँ के चरणों में
दो दो Not Press भी गिनाई
माँ के चरणों में दो दो गुँठे
मैंने चमका चले है

Nobe Press

20

माँ! तुम चली Not Press
में गुँठे छोड़े में चमका गुँठे
चमका है चमका की चमका गुँठे
दो दो चमका छोड़े में दो दो चमका
माँ छोड़े गुँठे है/

हेमराज गुजरा
निबन्ध आकाशिका
कृष्ण (पत्रक) 20

[Faint, mostly illegible handwritten text, possibly bleed-through from the reverse side of the page]